eightfold.ai
presents
Oasis 23
GRIMOIRE GALORE
5IST EDITION | 27TH-31ST OCTOBER
in association with
acer & boAt
powered by
Cisco
दिवस 3 | अंक 3
स्मृति
हिन्दी प्रेस क्लब

SHE KHA

संपादकीय

“BST”- एक आम बिट्सियन की जिंदगी का अहम भाग हैं। यह जिंदगी के हर पहलु का हिस्सा बन जाता हैं। कभी आप पढ़ने मे BST लगाते हैं तो कभी आपके प्रोफ़ेसर आपके मिडसेम के अंक बताने में BST लगाते हैं। पर यह BST तो फेस्ट के समय अलग ही चर्म पर चढ़ जाती है। पिछले साल ओएसिस पर अनेकों इवेंट्स पर लोगों ने इस BST का सामना किया था और सभी को इससे काफ़ी समस्याओं का सामना करना पड़ा। इस बार भी जब फेस्ट का उद्घाटन डेढ़ घंटे की देरी से शुरू हुआ तो शायद सभी लोगों को यही महसूस हुआ होगा कि बिट्स की BST की प्रथा इस साल भी ज़ोरों-शोरों से जारी रहेगी। परन्तु कडकडाती धूप में एक अप्रत्याशित सी बौछार की तरह इस साल ओएसिस में अभी तक लगभग हर इवेंट अपने समय के आसपास शुरू हुआ है। पिछले वर्ष की तुलना में इस बदलाव के कई कारण हो सकते हैं। पर शायद इसका सबसे बड़ा कारण अनुभव हैं। सभी ने सालों से सुना है कि अनुभव पेड़ पर नही उगता और यह हमने इस बार महसूस भी किया। पिछला ओएसिस 2020, 2021 एवं 2022 बैच का पहला ओएसिस था जबकी बाकि बैचेस ने भी एक लंबे अंतराल के बाद ऑफलाइन ओएसिस का लुत्फ़ उठाया। इसी कारण काफ़ी कोशिशों के बावज़ूद भी दिक्कतें आयी। परंतु इस बार सभी Stucca, cords कई फेस्टों का हिस्सा बन चुके हैं और उसका प्रभाव साफ तौर पर दिखाई दे रहा है।

अतः फेस्ट के माहौल में अलग ही रंगत फैली हुई हैं। शायद ही कोई कल्पना कर पाएगा एक प्रोद्योगिकी कॉलेज इस तरह कला के रंग मे सिमट जायेगा। कही ऑडिटोरियम में लोग अपने संगीत कौशल को गिटार एवं ड्रम पर प्रस्तुत कर रहे हैं और वरिष्ट कलाकार अपनी बांसुरी की कला से सबका मन मोह रहे हैं। कही FD2 के आलस्यमय कक्षायों के बीच अलग-अलग शायर अपने मुशायरे से समा बाँध रहे थे। वही कॉलेज के विभिन्न हिस्सों में लोग अलग-अलग इवेंट्स में जी भर के नाच रहें है। चाहे Nab Audi का कॉमेडी शो हो या SAC मे हुए अलग-अलग इवेंट्स सभी छात्र इस फेस्ट की रंगत में अपनी अमिट छाप छोड़ने की पुरज़ोर कोशिश कर रहें है।

अनुक्रमणिका

- मोह मुरली का....
- एंटरटेनमेंट क्विज़
- एडवेंचर ज़ोन
- पर्पल प्रोस्
- स्ट्रीट डांस
- इंडिया क्विज़
- ये क्या था...
- ताल थिरकती शाम कोई ....

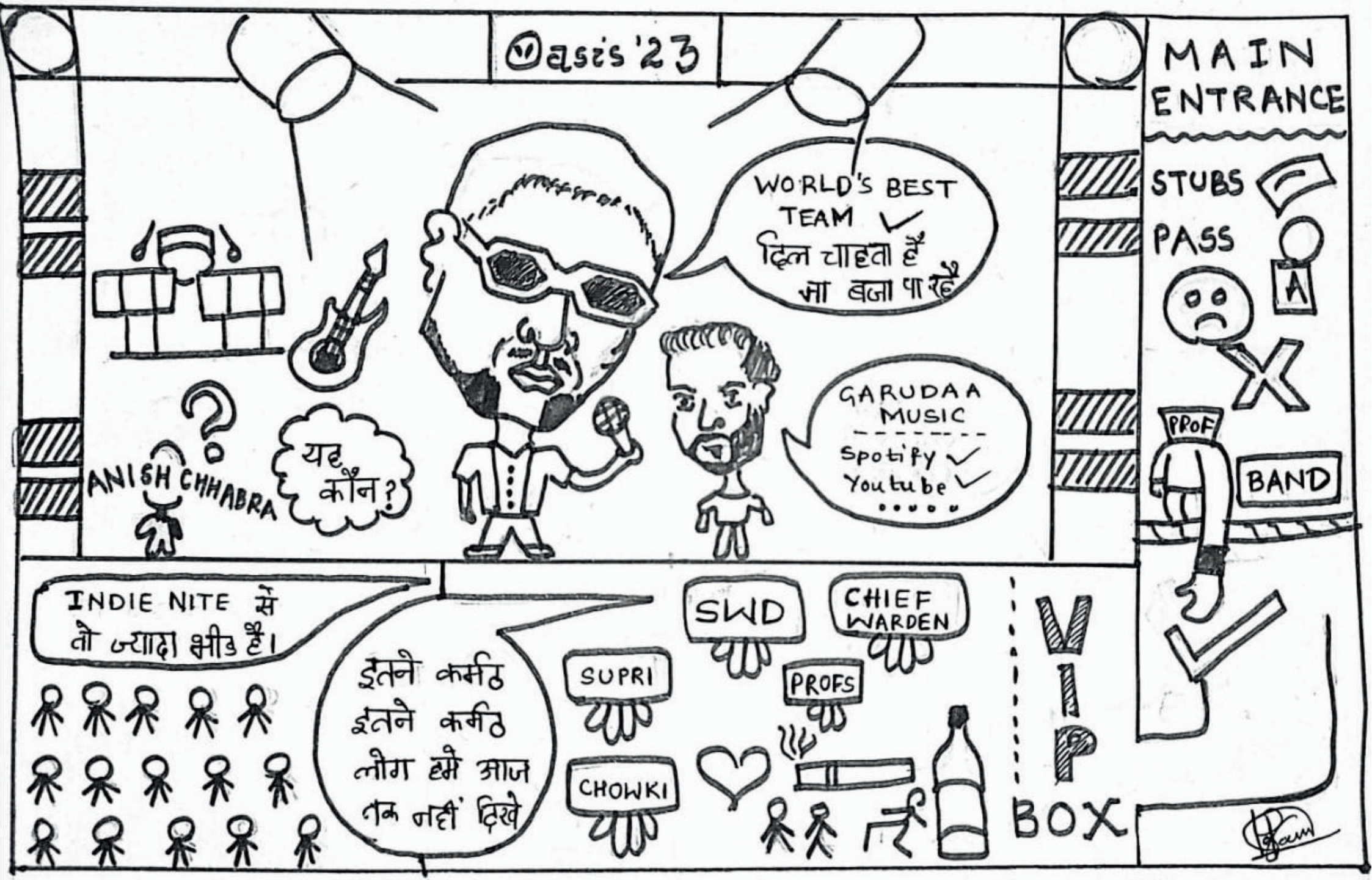

Oasis '23
MAIN ENTRANCE
STUBS
PASS
A
PROF
BAND
WORLD'S BEST TEAM ✓ दिल चाहता है ना बजा पा रहे
GARUDAA MUSIC
Spotify ✓
Youtube ✓
.....
ANISH CHHABRA
यह कौन?
INDIE NITE से तो ज्यादा भीड़ है।
इतने कर्मठ इतने कर्मठ लोग हमें आज तक नहीं दिखे
SUPRI
CHOWKI
SWD
CHIEF WARDEN
PROFS
VIP BOX

मोह मुरली का....

ओएसिस की दूसरा दिन की शाम संगीत प्रेमियों के लिए यादगार रही। इस संगीतमय शाम का आरंभ रागमलिका के शास्त्रिय बांसुरी वादन कार्यक्रम के साथ हुआ। हालांकि यह कार्यक्रम मेन ऑडिटोरियम में अपने निर्धारित समय से तकरीबन डेढ़ घंटे देरी से शुरू हुआ। कॉन्सर्ट का श्री गणेश डायरेक्टर श्री सुधीर कुमार बरई ने दीप प्रज्वलित करके व अतिथि संगीतकारों को मोमेंटो भेंट कर किया। सुप्रसिद्ध बांसुरी वादक पंडित श्री रूपक कुलकर्णी व तबला वादक आदित्य कल्याणपुर की उपस्थिति ने शाम को सुरमय कर दिया। राग यमन के साथ दोनों विद्वानों की जुगलबंदी से आयोजन में आये लोग आनंदित हो झूम उठे। हर राग प्रस्तुति के बाद श्रोताओं के द्वारा की गई तालियों की गड़गड़ाहट ने पूरे ऑडिटोरियम में धुनों की लहर ला दी। पंडित रूपक ने दृश्यात्मक संगीत की महत्ता पर ज़ोर देते हुए श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया। इस आयोजन को सफल बनाने में रागमलिका ने बेहतरीन तरीके से पूरा योगदान कर संगीत प्रेमियों को लाभान्वित किया। मौजूदा हिप-हॉप कल्चर के समय में इस प्रकार के कार्यक्रम ने श्रोतागण में शास्त्रीय संगीत को फिर से जीवित कर दिया।

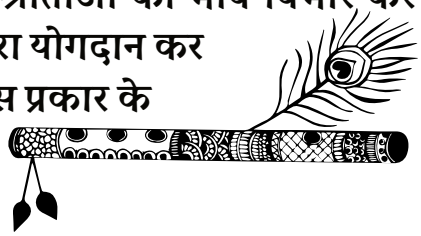

एंटरटेनमेंट क्विज़

ELAS & Dept. of informalz के द्वारा **Oasis** के तीसरे दिन एक रोचक एंटरटेनमेंट क्विज़ का आयोजन किया गया। इस क्विज़ में क्विज़मास्टर द्वारा 90 मिनट के अवधि में कुल 90 प्रश्न पूछे गए। हर सवाल के लिए 1 अंक निर्धारित किया गया। कुल पुरूस्कार कि राशि 5000 रूपए थी। भाग लेने वाले छात्र-छात्राएं 2 के गुट या फिर अकेले भी क्विज़ हिस्सा ले सकते थे। अगर क्विज़ के अंत में 2 गुट के बराबर अंक होजायें तोह उस परिस्थिति में सवाल 26 से 30 के आधार पर एक “tiebreaker” किया जा रहा था। सामान्य क्विज़ के सवालों कि तुलना में सवालों का स्तर काफ़ी ऊपर था। जैसे ऑस्कर्स के 2024 के एक प्रसिद्ध “एल्लेन देगेणेरेस” कि सैल्फी पर भी एक सवाल था। इसी प्रकार अमिताभ बच्चन के गलत अंकित ट्वीट पर भी एक सवाल मौजूद था। संगीत दुनिया से भी काफ़ी मजेदार सवाल पूछे गए जैसे गायिका **Dua Lipa** के मशहूर गाने “Levitating” गाने के साहित्यिक चोरी पर एक सवाल था। पूरी क्विज़ एक “ pen and paper” पर आधारित थी। 30 अक्टूबर के दिन हुई क्विज़ एक “prelims” थी और आगे आने वाले दिनों में अन्य राउंड्स आयोजित किए जायेंगे।

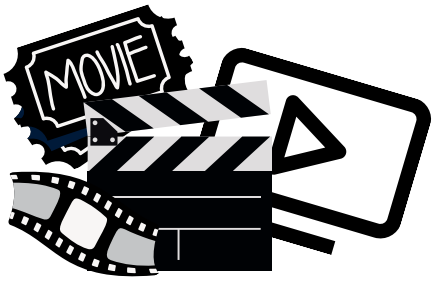

एडवेंचर ज़ोन

इस बार माउंटेनियरिंग एंड एडवेंचर क्लब ने ओएसिस में एडवेंचर ज़ोन आयोजित किया ताकि अडवेंचरस लोग भी फेस्ट का पूरा आनंद उठा सके। एडवेंचर ज़ोन में तीन खेल शामिल थे-आर्चरी, पेंटबॉल और ज़ोर्बिंग। यह इवेंट चारों दिन दोपहर तीन बजे से रात तीन बजे (कुल 12 घंटे) तक चलेगा। यह इवेंट एस लॉन्स में आयोजित कराया जा रहा है, जबकि पहले इसे VK लॉन्स में आयोजित कराया जाना था। इन तीनों खेलों का आयोजन बहुत अच्छे तरीके से कराया गया था और लोगों में काफ़ी उत्साह का माहौल देखने को मिला। परन्तु जिन लोगों ने एडवेंचर ज़ोन में हिस्सा लिया था, उन्हें अपनी बारी के लिए

बहुत लंबे समय तक वेटिंग लिस्ट में इंतज़ार करना पड़ा। आर्चरी में लोग सटीक निशाने लगाने में संघर्ष करते हुए दिखाई दिए। पेंटबॉल एक टीम गेम है जिसमें निशानेबाज़ी और टीमवर्क कौशल सबसे महत्त्वपूर्ण है। पेंटबॉल में रणनीति का भी अच्छा-ख़ासा योगदान है। ज़ोर्बिंग में प्लास्टिक की ट्रांसपेरेंट ऑर्ब्स में रोल करते हैं। एडवेंचर ज़ोन में जो कोई भी फ़ेस्ट में रोमांच तथा आनंद की खोज में है, वह जा सकता है। इस इवेंट में जोश से भरे काफ़ी लोगों ने हिस्सा लिया जिससे इवेंट में चार चाँद लग गए।

पर्पल प्रोज़

ओएसिस 23 में पोएट्री क्लब ने पर्पल प्रोज़ नामक इवेंट NAB ऑडी में आयोजित किया था। यह एक स्लैम पोएट्री इवेंट था जिसका विषय "क्रॉस रोड्स ऑफ डेस्टिनी" था, यानी कि किस्मत के टेढ़े रास्ते। इसमें लगभग 12 प्रतिभागियों ने भाग लिया था, जो 6 शहरों - इंदौर, हैदराबाद, जयपुर, दिल्ली, पुणे, और कोलकाता से आए थे। इसमें आधे घंटे की बी. एस. टी लगी थी। इस आयोजन ने काव्य प्रेमियों को एक अद्वितीय अनुभव प्रदान किया जिसमें प्रतिभागियों ने दो भाषाओं, हिंदी और अंग्रेज़ी, में प्रस्तुति दी थी। स्लैम कविता दिल्ली की प्रतियोगी अनुप्रिया ने जीती। उन्होंने बड़े ही सुन्दर तरीके से दिल्ली मेट्रो पर कविता लिखी जिसने लोगों के दिलों को छू लिया। इस कार्यक्रम के न्यायाधीश(जज) सत्यम सम्राट और दीपाली अग्रवाल रहे, जिन्होंने कविताओं का मूल्यांकन करके उत्कृष्ट कवि का चयन किया। यह इवेंट अद्वितीय और उत्कृष्ट था, जो दर्शकों का मनोरंजन करने के साथ-साथ ही उन्हें कल्पना और विचारों की दुनिया में ले गया। इस आयोजन के माध्यम से यह स्पष्ट होता है कि, कविता की असली ताकत उसके शब्दों में छुपी होती है।

स्ट्रीट डांस

डिपार्टमेंट ऑफ़ थियेटर ने आज अपने आयोजित कार्यक्रम स्ट्रीट डांस में समा बाँध दिया जब 9 टीमों ने अपने धुआँधार नृत्य प्रदर्शन से सभी दर्शकों का मन मोह लिया। निर्णायक मंडल में मशहूर नर्तक जसिका चड्ढा और कुणाल श्रीवास्तव को आमंत्रित किया गया था, जिन्होनें अपना काम पूर्ण निष्ठा से किया। सभी टीमों ने अपनी क्षमता अनुसार अपना सर्वोत्तम प्रदर्शन किया। दूसरे दौर में आत्मा राम और हंसराज कॉलेज के बीच थोड़ी लड़ाई की परिस्थिति बन गई थी, जब दोनों टीमों में एक टाई ब्रेकर की घोषणा की गई थी, जिसको की बड़ी कठिनाई से सुलझाया गया। अंतिम दौर में किरोड़ी माल कॉलेज और कॉलेज ऑफ़ वोकेशनल स्टडीज़ के बीच में विजयी बनने के लिए कठिन संघर्ष हुआ जो की एक टाई ब्रेकर तक भी गया था पर कॉलेज ऑफ़ वोकेशनल स्टडीज़ अंत में सफल बने और द्वितीय स्थान पर किरोड़ी माल कॉलेज के छात्र उभरे।

इंडिया क्विज़

इंग्लिश लैंग्वेज ऐक्टिविटीज़ सोसाइटी ने कल इंडिया क्विज़ के प्रिलिमिनरी राउंड का आयोजन किया जिसकी मेज़बानी मशहूर क्विज़ मास्टर आर्यप्रिय गांगुली ने की थी। अफ़वाह फैली थी की ELAS क्विज़ के दौरान एनर्जी ड्रिंक बंटेगी तो पूरा रूम क्विज़ से पहले ही भर गया, कहा गया था कि 2 टीम्स की बैठक के बीच एक कुर्सी का अंतर होना चाहिए पर अतिरिक्त भीड़ के कारण इसका पालन न हो पाया। मेज़बान ने तीन से चार प्रश्न ही पूछे थे और ज़्यादातर प्रतिभागी कमरे से बाहर चले गये। ध्यान देने वाली बात यह रही की जो छात्र क्विज़ का आयोजन कर रहे थे, वही उसमे भाग भी ले रहे थे। फाइनल के द्वितीय दौर के दौरान आख़िरकार एनर्जी ड्रिंक बाटी गई, जिसका सभी को इंतज़ार था। अचंभे की बात यह रही की ELAS के कॉर्डिनेटर आदित्य भास्कर, अनीश हटुआ के साथ विजयी बने और 3500 की राशि जीती अथवा द्वितीय स्थान पर 2500 की राशि प्राप्त हुई। तीसरे स्थान पे आने वाली टीम को 1500 रुपए प्राप्त हुए।

ये क्या था...

बिट्स पिलानी कैम्पस काफ़ी सुंदर तरीके से सजाया गया था। रंगों से भरे और मुस्कुराहट में डूबे हुए कैम्पस में एक ऐसा भी कोना था जो अंधेरे में छुपकर, चंद्र-ग्रहण को पौधों के बीच में से झाँक कर देख रहा था। वो कोना था एफ.डी.3। मैं उस मायूस कोने से गुज़र रहा था, जब अचानक से रोशनी हुई और मैंने इस बात को नज़र-अंदाज़ किया और आगे बढ़ने लगा। मैं जैसे-जैसे चल रहा था, वैसे-वैसे रोशनी भी आगे बढ़ रही थि। मुझ में जिज्ञासा हुई और मैं पूरे जोश के साथ एफ.डी. 3 की ओर बढ़ने लगा।

एफ.डी. 3 के बाहर एक अलाव दिख रहा था। अंदर जाने पर मैंने एक चौकीदार को उसके पास बैठे देखा। मैं उन्हें देखकर वही खड़े रह गया। परंतु उन्होंने मुझे देखकर मुस्कराया और कहा "अंदर जा रहे हो बेटू? जाओ जाओ। परंतु याद रखना इस रस्ते से वापिस मत आना।" मुझे वह मुलाकात अजीब लगी लेकिन मैं फ़िर भीआगे बढ़ता रहा। जैसे ही मैंने प्रवेश किया, अचानक से हवा का झोंका आयाऔर पता नही कहाँ से पर दस- पंद्रह कबूतर मेरी तरफ़ उड़ कर आने लगे। डरकर मैं पीछे मुड़ा पर चौकीदार द्वारा दी गई चेतावनी याद आ गई। मैंने मदद के लिए अपना फोन निकाला पर वह तो पहले ही मर गया था। न चाहते हुए भी मैं आगे बढ़ रहा था। तभी कुछ सीढियाँ दिखने लगी। मैंने नीचे ही कोई रास्ता खोजकर बहार जाने का निर्णय लिया और आगे बढ़ा। अचानक एक खिड़की का शीशा टुटा और मैं घबराकर सीढियाँ चढ़ने लग गया।

पहले माले पर पहुँचने पर मैंने देखा चारों तरफ़ अँधेरा छाया हुआ था। हनुमान चालीसा का महत्व उस दिन समझ आया मुझे। भगवान का नाम लेते हुए में आगे बढ़ने लगा। तभी मैंने देखा कही से पानी बहते हुए मेरे पैरों तक पहुँच रहा था। मैं और घबरा गया। पानी बहने की बात ने इतना अचंभित नही किया जितना पिलानी जैसे गाँव में उतने पानी होने कि बात ने किया था। उस सुबह तो नहाने के लिए भी पानी नही था। कांपते और मम्मी-मम्मी करते हुए, मैं आगे बढ़ रहा था। बाहर का रास्ता मिलना, बिट्स वाईफाई से नेटफ्लिक्स चलाने से भी मुश्किल लग रहा था। परंतु कुछ भी हो जाए अपने रूम- मेट को दस सी. जी. नही लाने दूंगा। जैसे ही मैंने हिम्मत जुटाई, एक चूहा मेरे पैर के पास से गुज़रा और सारी हिम्मत धरी रह गई और मैं वापिस रोने लग गया।

आँखे पोंछने पर पता चला दूर जो दिवार है उस पर लाल रंग में कुछ लिखा था। पास जाकर पढ़ने पर मैंने देखा कि उस पर मेरा हॉस्टल का नाम और रूम नंबर लिखा था वो भी खून से। मेरा दिल रेल गाड़ी की तरह धड़क रहा था। छत से तभी कुछ रोने की आवाज़ आई। मैं चौकन्ना हो गया, तभी मेरी आँखों पर किसी ने पट्टी बाँध दी। धक्के मारते हुए मुझे छतपर लेकर गया, वहा जाकर पता चला कि आज कल जी.पी.एल. सिर्फ़ लूटर्स में नही होती है।

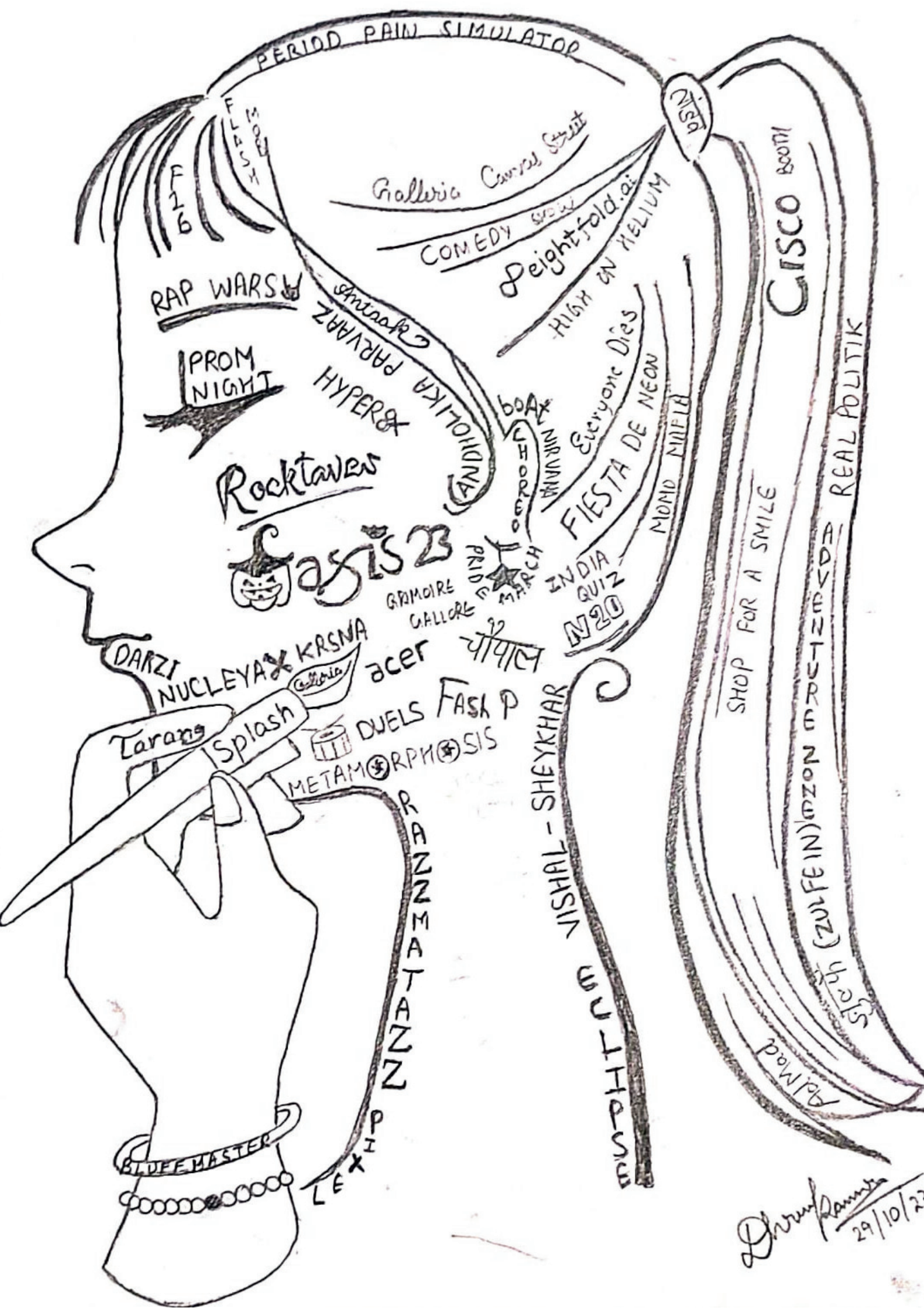

PERIOD PAIN SIMULATOR
FLASH MOB
F16
Galleria Camac Street
COMEDY show
8eightfold.ai
HIGH ON HELIUM
CISCO
RAP WARS
PARVAAZ
PROM NIGHT
HYPER8
boAt
CHOREO
Everyone Dies
FIESTA DE NEON
MOMO MAFIA
REAL POLITIK
Oasis 23
GRIMOIRE GALLORE
PRIDE MARCH
INDIA QUIZ
N20
DARZI
KRSNA
NUCLEYA
Galleria
acer
Splash
DUELS
FASH P
METAMORPHOSIS
RAZZMATAZZ
VISHAL - SHEYKHAR
SHOP FOR A SMILE
ADVENTURE ZONE
(ZULFEIN)
AdMad
BLUFFMASTER
LEXIPHI
29/10/23

जीवन का खेल

ऑपेरशन्स एंड स्ट्रेटेजीस् क्लब ने ओएसिस पर दो दिवसीय खेल का आयोजन किया, गेम ऑफ लाइफ। यह खेल निःशुल्क था, इस खेल को न्यूनतम 4 लोग खेल सकते थे। यह चार लोग एक दूसरे के साथ खेलते और हर व्यक्ति अपने लिए भी खेलेगा। इस गेम में पासा फेंक कर कदम रखने थे। जितना अंक पासे पर आयेगा, उतने ही कदम आपको बोर्ड पर चलने हैं। हर कदम पर कुछ न कुछ मुनाफा या नुक्सान था। कुल 50 टाइलस् थी जिनमे शुरू की 10 सबके लिए एक समान थी। उसके बाद अलग प्रकार के व्यापार थे; टेक,फिंटेक और ऑटोमोबाइल। हर एक व्यापार के अंतर्गत कहानी थोड़ी बदल दी जायेगी। उसके बाद MNC पड़ाव पर सब खिलाड़ी एक बार दोबारा मिलेंगें। इस गेम का अंत भी एक जैसी टाइलस् पर होना था। पूरा खेल क्लब की मुख्य विचारधाराओं पर था। इस खेल का उद्देश्य प्रतिभागियों का मनोरंजन करना और उनकी रुचि को स्ट्रैटजी की तरफ मोड़ना था।

ताल थिरकती शाम कोई ....

बिट्स के माहौल को और भी ज़्यादा जोश और जूनून से भरने के लिए, ओएसिस के तीसरे दिन हमें देखने को मिला एक शानदार कॉन्सर्ट, वो भी बॉलीवुड के जाने माने गीतकार विशाल ददलानी और शेखर रवजानी के तरफ़ से ! काफी सारे लोग इस आयोजन के लिए पहले से ही उत्सुक प्रतीत हुए, जिसे एंट्री के वक्त साउथ पार्क में घुसने को तत्पर भारी भीड़ ने साबित कर दिया, जिस कारण शुरुआत में लोगों को कुछ असुविधा का सामना भी करना पड़ा। लेकिन जैसे ही जनता ने साउथ पार्क में कदम रखा, सभी जैसे सारी असुविधाओं को उडती धूल सा भुला कर बस अपने साथियों के साथ उस संगीत की ताल पर थिरकने लगे। सचमुच, संगीत ही उस ऊर्जा का स्त्रोत है जो किसी की भी सारी परेशानियां और थकान दो पल में ओझल कर सकता है। और यह बात इस आयोजन में बहुत स्पष्ट दिख रही थी। लेकिन इसी के साथ दर्शकों को कुछ परेशानियों का भी सामना करना पड़ा, एक तो साउथ पार्क में भीषण भीड़, ऊपर से दम घोंटता सिगरेट का धुँआ, जो बिट्स में प्रतिबंधित होने के बावजूद भी व्यवस्था द्वारा रोका नही जा सका, और इतने लोगों की मौजूदगी से उडती धूल। दर्शकों को गीतकारों की तरफ़ से एक बढ़िया प्रस्तुति तो मिली ही, और साथ ही मिले उनके एलबम्स के विज्ञापन भी। कुछ दर्शकों के हिसाब से शायद गीतकार अपनी-अपनी प्रस्तुतियों को कुछ और बेहतर ढंग से अंत कर सकते थे। उनके प्रदर्शन के बाद हमें संगीत की दुनिया में एक नया नाम जानने को मिला, जो था अनीश छाबड़ा। उनकी प्रस्तुति ने सच में दर्शकों का मन एकदम रोमांच से भर दिया, जिससे सभी के होठों पर उन गानों के लफ्ज़ छा ही गए !

blindfold.ai
28 Oct 202

CLASSICAL FLUTE CONCERT

Games
Media
17:26
PlayStation Store
You're offline
Go online to use this feature.
Network Settings
acer

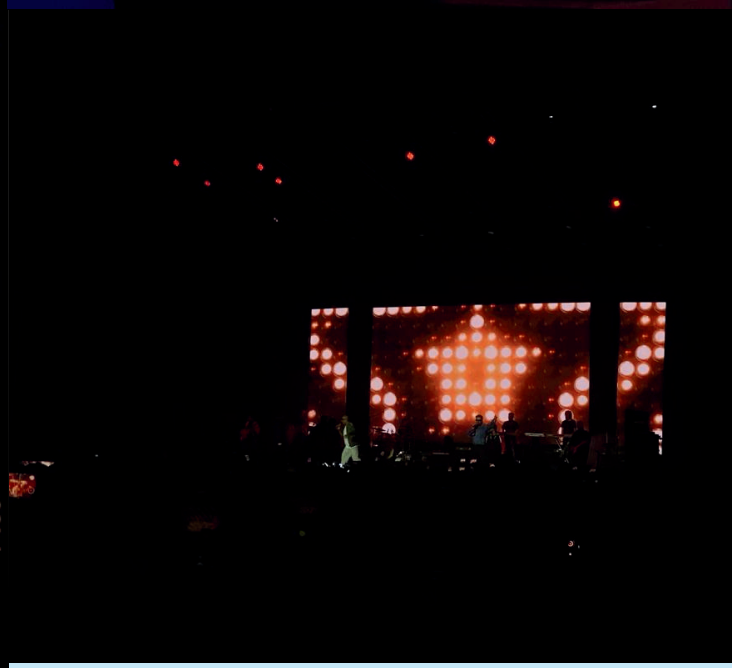

eightfold.ai
boAt
acer
Cisco
plum
Body Lovin'
IDFC FIRST Bank
ALWAYS YOU FIRST
BoostGrad
MAA KARNI INFRATECH
M POWER
MIND MATTERS
ADITYA BIRLA EDUCATION TRUST
3SISTERS
EaseMyTrip.com
THE INDIAN MUSIC DIARIES
HORUS MUSIC
Blank voice
ST

लाम्बा, हार्दिक

ऋत्विक, सर्वेश, आर्ची, निशिका, भव्य, देव

अनुज,विदित,सर्वाक्ष, ध्रुव, अवि, वैष्णवी,अमृत, मल्लिका, पुलकित, वल

हर्ष, मोक्ष, कृष, अभिन्नआशीष, विशेष,प्रिशा, कविश, कौस्तुभ,
नमः, प्रीतवर्धन,एकांश, अनुष्का, दिव्यम, दिवाकर,
राहुल, ऋषव, आदित्या

द्विती,सत्यम,अर्नव, आदित्य, राघव,वंशिका, हविष्मा, अभय, जयंत, प्राची,
प्रकृति, श्रीनिधि

eightfold.ai
presents
Oasis 23
GRIMOIRE GALORE
5TH EDITION | 27TH-31ST OCTOBER

in association with
acer & boAt

powered by
Cisco